ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

जनसंपर्क कार्यालय

PUBLIC RELATIONS OFFICE

आज़ादी का अमृत महोत्सव

कानून में प्रौद्योगिकी का उपयोग जरूरी : प्रो. तिवारी
विधि विभाग में हुआ विशिष्ट व्याख्यान

वर्धा, 07 जनवरी, 2025: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के विधि विभाग द्वारा सोमवार 06 जनवरी को कानून एवं प्रोद्यौगिकी विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। प्रोफेसर जनार्दन कुमार तिवारी ने विषय पर प्रकाश डालते हुए स्वागत वक्तव्य में कहा कि प्रोद्यौगिकी का वर्तमान समय में हमारे जीवन में महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने कहा कि प्रौद्यागिकी के दुरूपयोग को नियंत्रित किया जाना चाहिए।

विशिष्ट व्यक्तव्य में इंस्टीटूट ऑफ लीगल स्टडीज, जेएलए, विश्वविद्यालय, मथुरा के प्रोफेसर ओंकार नाथ तिवारी ने कहा कि प्रोद्यौगिकी का हमारे जीवन में हस्तक्षेप बढ़ता जा रहा है। उन्होंने प्रोद्यौगिकी का मानव जीवन में संविदा, अपराध, वाद विचारण में साक्ष्य के संदर्भ में किस प्रकार महत्वपूर्ण योगदान बढ़ता जा रहा है, जिससे मानव-जाति लाभान्वित हो रही है, विषय पर भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के अंत मे उन्होंने विद्यार्थियों की जिज्ञासा को भी जाना तथा उस पर अपने विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम की शुरूवात कुलगीत से हुई। वक्ता प्रोफेसर ओंकार नाथ तिवारी का स्वागत कार्यक्रम के संयोजक विधि विभाग के अधिष्ठाता प्रो. जनार्दन कुमार तिवारी द्वारा किया गया। संचालन डॉ. दिव्या शुक्ला ने किया तथा डॉ. परमानन्द राठौर ने आभार माना। इस अवसर पर आनन्द भारती सहित विद्यार्थी, जयश्री ड़फरे, अमोल आड़े, विक्की लांडे उपस्थित रहे।

विधी शिक्षणात तंत्रज्ञानाचा वापर आवश्यक : प्रो. तिवारी
विधी विभागात विशेष व्याख्यान आयोजित

वर्धा, 07 जानेवारी 2025 : महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयाच्या विधी विभागातर्फे सोमवार, 06 जानेवारी रोजी कायदा आणि तंत्रज्ञान या विषयावर विशेष व्याख्यान आयोजित करण्यात आले. या विषयावर प्रकाश टाकताना प्रो. जनार्दन कुमार तिवारी म्हणाले की सध्याच्या काळात तंत्रज्ञानाचे आपल्या जीवनात महत्त्वाचे योगदान आहे. विधी शिक्षणात तंत्रज्ञानाचा वापर आवश्यक आहे असे ते म्हणाले.

विशिष्ट वक्ता म्हणून इन्स्टिट्यूट ऑफ लीगल स्टडीज, जेएलए, विश्वविद्यालय, मथुरा येथील प्रोफेसर ओंकार नाथ तिवारी म्हणाले की आपल्या जीवनात तंत्रज्ञानाचा हस्तक्षेप वाढत आहे. करार, गुन्हे आणि खटल्यातील पुराव्याच्या बाबतीत तंत्रज्ञानाचे मानवी जीवनात महत्त्वाचे योगदान वाढत आहे, त्यामुळे मानवजातीला फायदा होत आहे, यावरही त्यांनी आपले मत मांडले.

कार्यक्रमाची सुरुवात कुलगीताने झाली. प्रो. ओंकार नाथ तिवारी यांचे स्वागत कार्यक्रमाचे संयोजक विधी विभागाचे अधिष्ठाता प्रो. जनार्दन कुमार तिवारी यांनी केले. डॉ. दिव्या शुक्ला यांनी संचालन केले तर डॉ.परमानंद राठोड यांनी आभार मानले. यावेळी आनंद भारती यांच्यासह विद्यार्थी, जयश्री डफरे, अमोल आडे, विक्की लांडे उपस्थित होते.

पोस्ट हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत

ई-मेल/E-mail: buddhadassmirge@hindivishwa.ac.in **वेबसाइट/Website:** www.hindivishwa.org

दूरभाष : +91-7152-252651 मोबाइल/Mobile : 9960562305